

मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती



साइंटिफिक
पब्लिशर्स

कामिनी कुमारी

मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती

लेखक/सम्पादक :

डॉ. कामिनी कुमारी

कृषि विज्ञान केन्द्र रतलाम

ग्राम व पोस्ट-कालूखेड़ा, तहसील-पिपलौदा

जिला रतलाम-457 340 (म.प्र.)



साईन्टिफिक
पब्लिशर्स

प्रकाशक

साइंटिफिक पब्लिशर्स (इण्डिया)

5-ए, न्यू पाली रोड, पो. बा. नं. 91

जोधपुर-342 001 (राज.)

टेलिफोन : 0291-2433323

E-mail : info@scientificpub.com

© 2019, लेखक/सम्पादक

समस्त अधिकार आरक्षित है इस प्रकाशन अथवा इसमें प्रस्तुत रूपान्तरित संक्षिप्त अनुवादित या भण्डारित पुनः प्राप्य प्रणाली, कम्प्यूटर प्रणाली, छाया चित्रांकन या अन्य पद्धतियों में अथवा किसी भी प्रारूप में संचारित अथवा किसी साधन से इलेक्ट्रॉनिक यान्त्रिकी प्रतिलिपीकरण, ध्वनि अंकन अथवा अन्यथा से प्रकाशन की पूर्व लिखित अनुमति के बिना नहीं की जा सकेगी।

अस्वीकरण- यद्यपि प्रत्येक प्रयास त्रुटियाँ और लोगों को टालने का है यह प्रकाशन इस समझ-बूझ पर है कि न तो सम्पादक (या लेखक) ना ही प्रकाशक ना ही मुद्रक, किसी भी रूप से किसी व्यक्ति के प्रति जिम्मेदार नहीं हो सकेगें। इस प्रकाशन में यदि किसी त्रुटि या लोप के लिये अथवा उस किसी कार्यवाही के लिये ही जो इस कार्य के आधार पर की जाये। कोई असावधानी की विसंगति प्रकाशक के ध्यान में भविष्य के संस्करण में उसके सुधार के लिये लायी जा सकेगी यदि उसका प्रकाशन हो।

व्यापार चिन्ह सूचना- उत्पादन अथवा निगमन नाम, व्यापार चिन्ह अथवा पंजीकृत व्यापार चिन्ह हो सकेगें और उसका उपयोग उल्लंघन, के इरादे के बिना केवल पहचान या स्पष्टीकरण के लिये किया जा सकेगा।

ISBN: 978-93-88043-64-9 [H/B]

ISBN: 978-93-88043-86-1 [E/B]

Visit the Scientific Publishers (India) website at:

<http://www.scientificpub.com>

भारत में मुद्रित

शुभकामना संदेश

अपार हर्ष का विषय है कि डॉ. कामिनी कुमारी, मृदा वैज्ञानिक (कृषि विज्ञान केन्द्र रतलाम) के द्वारा खेती में मसाला फसलों को सम्मिलित कर तथा वैज्ञानिक तकनीकें अपनाकर कैसे कृषि में अधिक आय अर्जन की जा सकें, इस बात को ध्यान में रखकर 'मसाला फसलों की वैज्ञानिक खेती' नामक पुस्तक बनाई गई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तक किसान, कृषि कार्यकर्ता, कृषि विद्यार्थियों तथा कृषि वैज्ञानिकों के लिए बहु उपयोगी सिद्ध होगी। मैं इस पुस्तक की अपार सफलता की कामना करता हूँ।

डॉ. अनुपम मिश्रा

निदेशक

आई.सी.ए.आर.-अटारी, जोन -IX

जबलपुर (म.प्र.)

विषय-सूची

अध्याय	विवरण	पृष्ठ सं.
	प्राक्कथन	iii
1.	जायफल की सफल बागवानी	1
	■ डॉ. कामिनी कुमारी, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
2.	अफीम (खसखस) की उन्नत प्रौद्योगिकी एवं संरक्षण	4
	■ श्री एस.बी. शर्मा, प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
3.	हींग की खेती	18
	■ डॉ. कामिनी कुमारी, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
4.	मेथी की वैज्ञानिक खेती	21
	■ डॉ. आदित्य प्रकाश द्विवेदी, प्रधान वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) गन्ना अनुसंधान केन्द्र, लखनऊ	
5.	सरसों की वैज्ञानिक खेती	29
	■ डॉ. पी.के. मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, शस्य विज्ञान विभाग कृषि महाविद्यालय गंज बासौदा जिला विदिशा, म.प्र.	
6.	हल्दी की वैज्ञानिक खेती	40
	■ डॉ. डी. व्ही. भगत, वरिष्ठ वैज्ञानिक कृषि महाविद्यालय, इंदौर	
7.	कलौंजी की खेती	47
	■ डॉ. अजीत सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक (उद्यानिकी) एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, बुरहानपुर	
8.	लहसुन की वैज्ञानिक खेती	61
	■ डॉ. सुधीर कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, जमुई	

9.	प्याज की खेती	66
	■ डॉ. एस.के. पाण्डेय, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र अमरकंटक, जिला अनूपपुर (म.प्र.)	
10.	अदरक की वैज्ञानिक खेती	73
	■ डॉ. डी.व्ही. भगत, वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) कृषि महाविद्यालय, इंदौर	
11.	पुदीना (मेन्था) की खेती	80
	■ डॉ. एस.एस. चौहान, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, धार (म.प्र.)	
12.	सौंफ की वैज्ञानिक खेती.....	89
	■ डॉ. महेन्द्र सिंह, वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ (म.प्र.)	
13.	धनियाँ की वैज्ञानिक खेती	95
	■ डॉ. वीरेन्द्र कुमार जैन, वैज्ञानिक (कृषि अभियांत्रिकी) कृषि विज्ञान केन्द्र, अशोकनगर (म.प्र.)	
14.	मीठी नीम (करीपत्ता) की खेती.....	103
	■ प्रो. धनञ्जय कदम, सहायक प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, बालाघाट, मध्य प्रदेश	
15.	तेजपत्ता- एक लाभकारी खेती	109
	■ डॉ. सुनिल कुमार रजक, सहायक प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, बालाघाट, मध्य प्रदेश	
16.	सेलरी फसल कैसे उगाएं	116
	■ ठाकुर सिंह गुडबे, एफ.ई.ओ. आंचलिक कृषि अनुसंधान केन्द्र, झाबुआ (म.प्र.)	
17.	मिर्ची की खेती	120
	■ श्री योगेश कुमार साहू, एस.आर.एफ. कृषि विज्ञान केन्द्र, झाबुआ	
18.	लौंग की खेती.....	125
	■ विनय कुमार, तकनीकी सहायक आई.ए.आर.आई. क्षेत्रीय केन्द्र, पूसा, बिहार	

19.	ईलाइची की खेती	129
	■ विनय कुमार, तकनीकी सहायक आई.ए.आर.आई. क्षेत्रीय केन्द्र, पूसा, बिहार	
20.	काली मिर्च की खेती (पाइपर निग्राम एल)	135
	■ विनय कुमार, तकनीकी सहायक आई.ए.आर.आई. क्षेत्रीय केन्द्र, पूसा, बिहार	
21.	दालचीनी की खेती	140
	■ शशिधर यादव (शोध छात्र) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा समस्तीपुर, बिहार	
22.	लॉग पीपली, कबाब चीनी एवं कोकम का परिचय एवं महत्त्व	145
	■ रंजीत सिंह राघव, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन	
23.	अजवाइन की खेती	153
	■ जगदीश पाटीदार, एस.आर.एफ. निकरा परियोजना, कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
24.	चार बीज मसाला	159
	■ डॉ. कामिनी कुमारी, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
25.	अनारदाना मसाला	161
	■ डॉ. कामिनी कुमारी, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) कृषि विज्ञान केन्द्र, कालूखेड़ा, रतलाम (म.प्र.)	
26.	जायकेदार जीरा की वैज्ञानिक खेती	162
	■ सुधीर कुमार सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र जमुई	
27.	मसाला फसलों के औषधीय उपयोग	166
	■ मनीष कुमार दिवाकर, लेक्चरर माइक्रोबायोलॉजी विभाग, एम. एल. बी. मेडिकल कॉलेज झाँसी (यूपी)	

28.	केसर उत्पादन तकनीक	185
	<ul style="list-style-type: none"> ■ डॉ. नवनीत कुमार, कनिष्ठ वैज्ञानिक सह सहायक प्राध्यापक (सस्य विभाग), ईख अनुसंधान संस्थान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार 	
29.	चिरोंजी की खेती	191
	<ul style="list-style-type: none"> ■ डॉ. नवनीत कुमार, कनिष्ठ वैज्ञानिक, सह सहायक प्राध्यापक (सस्य विभाग), ईख अनुसंधान संस्थान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा, समस्तीपुर, बिहार 	
29.	विभिन्न मसाला फसलों की रंगीन चित्रावली	197